परमेश्वर का वचन – सत्य जो तुम्हें स्वतन्त्र करेगा !

इस पाठ के सम्बन्ध में :

सच्ची स्वतन्त्रता परमेश्वर के वचन के अनुसार जीने से मिलती है। बाइबल ही परमेश्वर का वचन है और यह आपके जीवन में कार्य करना आरम्भ कर चुका है। बाइबल सत्य को आप पर प्रगट करती हैं, जो कि आपको स्वतन्त्र करेगा। यह सत्य आपके जीवन को बदल डालेगा।

आज आप सीखेंगे :

- **परमेश्वर का वचन क्या है?**
- **यह कैसे कार्य करता है?**
- **यह आपको स्वतन्त्र कैसे कर सकता है?**

आप ऐसा कीजिए

✔ पाठ को पढ़ें और मुख्य भागों को रेखांकित करें।

✔ अपनी बाइबल में पवित्र शास्त्र के पदों को खोजें।

✔ उन पर चिन्ह लगा लें।

जितना अधिक आप अध्ययन करेंगे उतना ही अधिक आप समझेंगे।

परमेश्वर आपको आशीष दें !

1 परमेश्वर का वचन क्या है ?

परमेश्वर का वचन आपके जीवन में पहले ही सबसे अच्छा कार्य कर चुका है – आपका उद्धार। परमेश्वर के वचन के द्वारा यह सब हुआ:

- आपने यीशु से सम्बन्धित वचन सुना ।
- आपने वचन में दी गई प्रतिज्ञाओं को ग्रहण किया।
- आप वचन के अनुरूप बोलने लगे।
- परमेश्वर ने ठीक वही किया जैसा वचन में लिखा है :

1 पत 1:23-25

"क्योंकि तुमने नाशमान नहीं पर अविनाशी बीज से, अर्थात् परमेश्वर के जीवित तथा अटल वचन द्वारा नया जन्म प्राप्त किया है।"

याक 1:18

बाइबल कहती है कि वचन के द्वारा आपका नया जन्म हुआ है। क्या आप देख सकते हैं - परमेश्वर आपको बचाने के लिए पहले ही वचन का प्रयोग कर चुका है? परन्तु यह तो अभी केवल शुरुआत ही है; आप वचन के सामर्थ्य के द्वारा अपने सारे जीवन भर जीयेंगे!

परमेश्वर का वचन क्या है? (जारी है)

परमेश्वर का वचन बाइबल है - और बाइबल ही सत्य है ।

यूह 8:31

परमेश्वर का वचन बाइबल है, वह पुस्तक जो आप प्राप्त कर सकते और पढ़ सकते हैं। यह एक अद्‌भुत उपहार है। यीशु जानते थे कि वे हमारे साथ सदा तक नहीं रह सकते थे, और इसी लिये उन्होंने एक समाधान निकाला: ''यदि तुम मेरे वचन में बने रहोगे, तो सचमुच मेरे चेले ठहरोगे।'' यीशु के वचन बाइबल में लिखे हुए हैं।

परमेश्वर ने बाइबल में अपना जीवन फूँक दिया है :

2 तीम 3:16, 17

बाइबल कोई साधारण पुस्तक नहीं है। पवित्र आत्मा परमेश्वर का संदेश ले जाने वालों के द्वारा बोले, और उन्होंने वह सब कुछ लिखा जो उन्होंने उनसे लिखने को कहा। ''सम्पूर्ण पवित्रशास्त्र परमेश्वर की प्रेरणा से रचा गया है और शिक्षा, ताड़ना, सुधार और धार्मिकता की शिक्षा के लिए उपयोगी है, जिससे कि परमेश्वर का भक्त प्रत्येक भले कार्य के लिए कुशल और तत्पर हो जाए।''

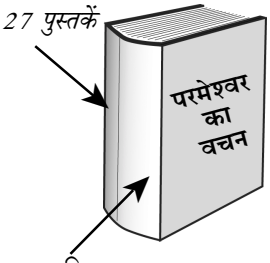

वह पुस्तक जो परमेश्वर ने हमें दी

जो कुछ बाइबल में लिखा है वह परमेश्वर का वचन है। बाइबल के द्वारा, सारे इतिहास में परमेश्वर ने लोगों से बातचीत की है। परमेश्वर का सामर्थी, छुटकारा देनेवाला सत्य बाइबल में प्रगट किया गया है। हर बार जब आप इसे खोलेंगे, यह आपको शिक्षा देगी और आपकी सहायता करेगी!

बाइबल में क्या-क्या है?

इब्रा 4:12
मत्ती 5:18

बाइबल के दो भाग हैं: पुराना नियम और नया नियम। पुराना नियम यीशु के समय में उपलब्ध था, और नया नियम इसके बाद लिखा गया। यह यीशु और उसके शिष्यों की शिक्षाओं के द्वारा परमेश्वर के सत्य को हमें समझाती है। इसका हर एक शब्द सत्य है। पर यह न केवल सत्य ही है, यह परमेश्वर के सामर्थ्य से भरी हुई है। यीशु ने कहा, ''मैं तुम से सच कहता हूँ कि जब तक आकाश और पृथ्वी टल न जाएं, व्यवस्था में से एक मात्रा या बिन्दु भी, जब तक कि सब कुछ पूरा न हो जाए, नहीं टलेगा ।''

अभी तक जो हमने सीखा है आइए उसका सार देखें :

यशा 40:8 • बाइबल परमेश्वर का वचन है और यह कभी बदलेगा नहीं।

यूह 8:31,32 • बाइबल यीशु के निकट बने रहने की कुंजी है।

2 यीशु परमेश्वर का वचन है

यूह 1:1
उत्प 1:2

बाइबल परमेश्वर का वचन, एक पुस्तक से कहीं बढ़ कर है। यीशु ही वचन है। जब परमेश्वर ने संसार की सृष्टि की उस समय वह वहाँ था।

1 यूह 1:1

जब यीशु का जन्म हुआ, तो परमेश्वर के वचन ने मनुष्य के रूप में एक साकार रूप धारण कर लिया। यीशु ही जीवन का वचन है: ''उस जीवन के वचन के सम्बन्ध में जो आदि से था, जिसे हमने सुना, जिसे हमने अपनी आंखों से देखा, वरन् जिसे ध्यानपूर्वक देखा और हमारे हाथों ने स्पर्श किया - उसी का समाचार हम तुम्हें भी सुनाते हैं।''

वचन आपके घर में आता है

कुलु 3:16

जब आप परमेश्वर के वचन को अपने घर, अपने स्कूल, या अपने कार्य में आने देते हैं तो - यीशु आता है। वह आपके जीवन की छोटी से छोटी बात को भी बता सकता है। सोचिए यीशु किसी दिन आपके साथ-साथ चल रहा हो: आपके साथ बैठा हो, आपके साथ काम कर रहा हो, आप से बातें कर रहा हो! ऐसा हो जाएगा जब आप परमेश्वर के वचन को अपने हृदय और अपने मन में भर जाने देंगे। यीशु, परमेश्वर का वचन, आपके साथ-साथ चलेगा! कैसे? बाइबल के द्वारा, जहाँ आपको यीशु के जीवनदायक वचन मिलते हैं।

परमेश्वर का वचन आत्मा और जीवन है

बाइबल मात्र शब्दों की एक पुस्तक नहीं है। इन शब्दों में जीवन है, परमेश्वर की तरह का जीवन। परन्तु आपको बाइबल खोलना और सत्य को ग्रहण करना आवश्यक है। केवल तभी सत्य आप में निवास करना आरम्भ करेगा। यदि बाइबल आपके पुस्तक- शेल्फ पर रखी रहती है, तब भी यह सत्य है, पर तब कुछ नहीं होगा।

यूह 6:63

यीशु कहता है: ''जो बातें मैंने तुम से कही हैं वह आत्मा और जीवन हैं।'' बाइबल के शब्द अन्य सभी शब्दों से भिन्न हैं। वे आत्मा हैं - और आत्मा स्वयं परमेश्वर है। इसका अर्थ है कि जब आप बाइबल के शब्दों को ग्रहण करते हैं, तो परमेश्वर का आत्मा आपको बदलने लगता है। परमेश्वर की तरह का जीवन आप में आ जाता है।

3 वचन आपको बदलने लगता है

भज 107:20

आपके जीवन के वे क्षेत्र जो वचन के द्वारा प्रभावित हैं बदलना आरम्भ हो जाएंगे। यदि आप बीमार हैं और परमेश्वर स्वस्थ होने के सम्बन्ध में जो कुछ कहता है उसे आप पढ़ते हैं, तो चंगाई वचन के द्वारा आप तक आती है: ''उसने अपना वचन भेज कर उन्हें चंगा किया।'' किसी और में जीवन को बदल देने वाली, ऐसी अद्भुत सामर्थ्य नहीं हैं! अतः बाइबल का अध्ययन करें, प्रतिज्ञाओं का दावा करें, और परमेश्वर के वचन में बनें रहें।

परमेश्वर का वचन: एक अटल नींव

हमारा संसार बड़ा अस्थायी है और सभी कुछ बदल रहा है: सभी भौतिक चीजें,

वचन आपको बदलने लगता है (जारी है)

विचार, प्रणालियाँ और यहां तक कि ज्ञान। फिर भी, यीशु कहता है : ''आकाश और पृथ्वी
मत्ती 24:35 टल जाएंगे, परन्तु मेरे वचन कभी न टलेंगे।'' इसलिये, परमेश्वर का वचन एक अटल नींव है जिस पर आप खड़े हो सकते हैं। ''उसने मेरे पैरों को चट्टान पर स्थिर करके मेरे कदमों को दृढ़ किया।'' आप जान सकते हैं कि परमेश्वर अपनी प्रतिज्ञाओं को पूरा करता है : ''क्योंकि यहोवा (परमेश्वर) का वचन खरा है, और उसका सब काम सच्चाई से होता है।''

भज 40:2
भज 33:4
मत्ती 7:7
यूह 15:7

आइये व्यावहारिक बनें, क्योंकि परमेश्वर व्यावहारिक है। यदि आप की परिस्थितियों के लिए आप के पास – परमेश्वर के वचन से एक प्रतिज्ञा है, तो आप उस प्रतिज्ञा पर पूरा भरोसा रख सकते हैं, चाहे आप कैसा भी महसूस कर रहे हों या चाहे लोग कुछ भी कहते हों। परमेश्वर का वचन आप के पैरों तले की जमीन से भी कहीं अधिक ठोस है। एक दिन यह लुप्त हो जाएगी, परन्तु परमेश्वर का वचन सदा बना रहेगा।

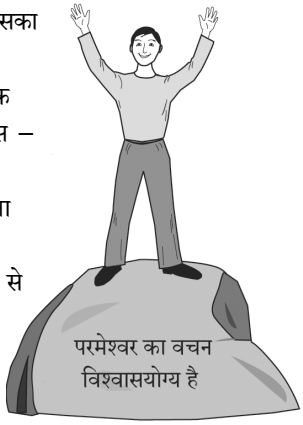

परमेश्वर के वचन में बने रहने के उदाहरण

परमेश्वर की सामर्थ्य को अपने जीवन में आने दीजिए !

1 कुरि 1:18 प्रेरित पौलुस कहता है: क्रूस (जहाँ पर यीशु आपके और मेरे लिए मरे) का संदेश हम उद्धार पाने वालों के लिए परमेश्वर की सामर्थ्य है। वाह ! क्रूस का यही संदेश परमेश्वर की सामर्थ्य से भरा हुआ है।

- यदि आप अपने आपको दोषी मानते हैं और जो किया है उसे भूल नहीं सकते, यद्यपि आपने परमेश्वर से क्षमा माँग ली है, तो याद रखिए कि यीशु ने क्रूस पर क्या किया और कहिए : ***''यदि हम अपने पापों को मान लें तो वह हमारे पापों को क्षमा करने और हमें सब अधर्म से शुद्ध करने में विश्वासयोग्य और धर्मी है।''***
- यदि आप एकाकी महसूस करते हैं और सोचते हैं कि कोई भी आप की परवाह नहीं करता, तो याद रखिए कि क्रूस पर क्या हुआ था और कहिए : ***परमेश्वर ने अपने पुत्र के आत्मा को, जो ''हे अब्बा ! हे पिता !'' कह कर पुकारता है, मेरे हृदय में भेजा है। इसलिए अब मैं दास नहीं, परन्तु पुत्र हूँ।***

1 यूह 1:9
गला 4:6,7

- यदि आप बीमार हैं और आपको परमेश्वर की सहायता की आवश्यकता है तो याद रखिए कि आप की चंगाई के लिए यीशु ने क्रूस पर क्या किया था और कहिए: ***उसके घावों से मैं स्वस्थ हुआ हूँ।***

आपने सुना कि ऊपर पौलुस क्या कहता है - कूस का यही संदेश परमेश्वर की सामर्थ्य है ! यह सामर्थ्य आपके जीवन में आ जाएगी जब आप परमेश्वर की प्रतिज्ञाओं का दावा करेंगें और उस पर भरोसा रखेंगे कि वह आपके जीवन को वचन के अनुसार बदल डालेगा।

1 पत 2:24

परमेश्वर का वचन-सत्य जो तुम्हें स्वतन्त्र करेगा !

परमेश्वर का वचन दिशा दिखाता है।

भजन 119:105

अकसर, हमें दिशा निर्देशन की आवश्यकता पड़ती है। हम अचम्भे में पड़ जाते हैं कि हमें क्या करना चाहिए और हमें कहाँ जाना चाहिए। परमेश्वर का वचन आपके पाँवों के लिए दीपक और आपके मार्ग के लिए उजियाला है ! बाइबल में जीवन के हर एक पहलू पर कुछ न कुछ कहने के लिए है। जितना अधिक आप परमेश्वर के वचन का अध्ययन करेंगे, उतना ही अधिक आपको सहायता और दिशा-निर्देश प्राप्त होगा।

परमेश्वर आपको सिखाएगा - अपने वचन के द्वारा - कि उसकी अद्‌भुत उपस्थिति में कैसे प्रेम और सामर्थ्य का एक जीवन जिया जाए।

बाइबल खोज

अभ्यास 1 : **नीचे बाइबल के कुछ पद दिए गए हैं जो परमेश्वर के वचन का वर्णन करते हैं। उन्हें देखिए और जो वे कहते हैं उसे लिख लीजिए:**

2 शमू 22:31 _____

_____

नीति 30:5 _____

_____

यूह 17:17 _____

_____

इब्रा 4:12 _____

_____

फिलि 2:16 _____

_____

भजन 119:103 _____

_____

भजन 119:130 _____

_____

यूह 6:63 _____

_____

बाइबल खोज (जारी हैं)

अभ्यास 2 : उन तीन क्षेत्रों को लिखें जिनमें आप चाहते हैं कि परमेश्वर आपको या आपकी परिस्थितियों को बदल दे :

1. _____

_____

2. _____

_____

3. _____

_____

अब आत्मा और जीवन के वचन नामक पर्चे को देखें और जीवन के जिन क्षेत्रों को आपने ऊपर लिखा है उनमें से प्रत्येक से सम्बन्धित बाइबल का एक पद खोजें। नीचे दिए गए स्थानों पर पदों को लिख लें और परमेश्वर जो कहता है उस पर भरोसा रखें। उसकी प्रतिज्ञाओं पर विश्वास रखें !

1. _____

_____

2. _____

_____

3. _____

_____

परमेश्वर का वचन – सत्य जो तुम्हें स्वतन्त्र करेगा!

कार्य का समय

परमेश्वर का वचन किस प्रकार से आपके जीवन और आपके घर को प्रभावित कर सकता है? आपकी बातचीत से ! जब आप परमेश्वर के वचन को विश्वास से बोलते हैं, तो परमेश्वर की सामर्थ्य निकल पड़ती है और आश्चर्यकर्म होने लगते हैं। इसलिए, यदि आप परमेश्वर के सत्य को बोलने के लिए तैयार रहते हैं, तो आपका जीवन फिर कभी भी पुराने जीवन जैसा नहीं रहेगा।

1. अपने घर को परमेश्वर के वचन से भर दीजिए।

नीति 4:20-22

2 कुरि 5:17
1 पत 2:24

बाइबल के पद अपने घर की दीवारों पर लटकाएँ। अपनी जेब में स्मरण करने वाले पदों को रखिए - उन्हें पुस्तक में निशान लगाने के लिए प्रयोग करें। परमेश्वर के वचन की सच्चाइयों को याद रखें, उदाहरण के लिए : मैं यीशु मसीह में एक नई सृष्टि हूँ, मैं यीशु के घावों से चंगा हुआ, आदि। जितना अधिक परमेश्वर का वचन आप अपने जीवन में बोएंगे, आपका विश्वास उतना ही बढ़ेगा।

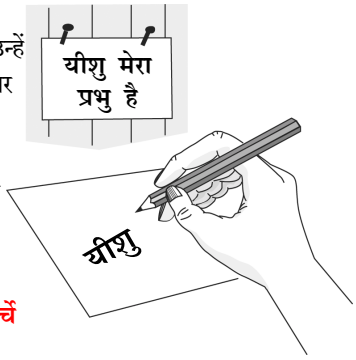

2. ''आत्मा और जीवन के वचन'', नामक पर्चे का प्रयोग करें।

इस पाठ के साथ आपको ''आत्मा और जीवन के वचन'' नामक पर्चा मिला है। यह छोटा सा पर्चा आप अपनी बाइबल, जेब या झोले में रख सकते हैं इसमें मुख्य-मुख्य, परन्तु बहुत ही शक्तिशाली पवित्र शास्त्र के पद लिखे हैं।

''आत्मा और जीवन के वचन'' नामक पर्चे का प्रयोग कैसे करें?

1. अपने पाठ में से इसे निकाल लीजिए और इस प्रकार से मोड़िए कि पृष्ठ संख्याएँ सही क्रम में आ जाएँ ।
2. इसे अपने साथ रखिए।

रोम 10:9,10

3. बाइबल के पदों को जोर-जोर से पढें। आपका विश्वास और आपके मुँह का अंगीकार आपके जीवन को बदल डालेगा । जल्द ही बाइबल के बहुत से परिच्छेद आपको याद हो जाएँगे । जब भी आपको उनकी आवश्यकता होगी पवित्र आत्मा उन्हें आपके सामने जीवित रूप में ले आएगा ।

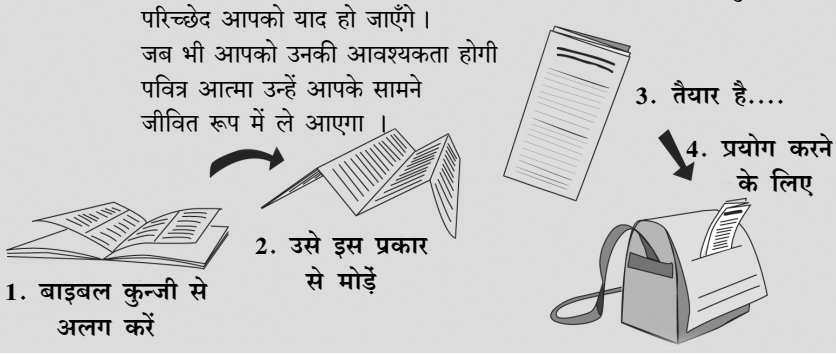

स्मरण समय !

परमेश्वर का वचन याद करें और बोलें

एक कागज पर बाइबल के पद लिख लें, और हर दिन उन्हें कई बार पढ़ें बस में यात्रा के समय, खाली समय में, या परिवार के साथ खाने के समय।

''यहोवा (परमेश्वर) का वचन खरा है;
और उसका सब काम
सच्चाई से होता है।''
भज 33:4

''आकाश और पृथ्वी टल जाएंगे
परन्तु मेरे वचन कभी न टलेंगे।''
मत्ती 24:35

बाइबल कुन्जी सूचना

हमारा अगला पाठ जीवन को बदल देने वाले इन अत्यावश्यक विषयों पर आधारित होगा :

- **बपतिस्मा**
- **दूसरे विश्वासियों के साथ संगति**
- **प्रार्थना और आराधना ।**

बाइबल कुन्जियाँ हैं :

- ✗ **पाठों की एक कड़ी जिसमें परमेश्वर के वचन की मूल शिक्षाएं दी गई हैं।**
- ✗ **स्वयं शिक्षा देने वाली, परन्तु इसे समूहों में भी अध्ययन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है।**

नींव या आधार बाइबल, परमेश्वर का अनन्त वचन, है। यह सामर्थी पुस्तक सभी मनुष्यों के लिए धार्मिकता और खुशी की कुंजी है, इस जीवन और मृत्यु के बाद के जीवन दोनों में ही प्रभावकारी।

अधिक जानकारी के लिए, कृपया सम्पर्क करें :

बाइबल कुन्जियाँ पो.बा. **3178**, नई दिल्ली - 110 003
www: biblekeysonline.com

Copyright © 2000 Victura & InterMedia Services Ltd. All rights reserved. Printed in India 2002